This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **4811**

Unique Paper Code : **6967000030**

Name of the Paper : **Leadership Excellence Through the Gita**

Name of the Course : **Value Added Course (VAC)**

Semester : **II**

Duration : **1 Hour** Maximum Marks : **30**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Question No. 1 is compulsory.

Answer any *two* questions from question Nos. 2 to 4.

All questions carry equal marks.

प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

प्रश्न संख्या 2 से 4 में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Write short notes on any *two* : 2×5=10

किन्हीं **दो** विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) Concept of *Swa-Dharma* and *Apad-Dharma*

स्व-धर्म और आपद-धर्म की अवधारणा

(*b*) Define the role of leader in terms of *Dharma* and *Adharma* according to the Bhagavad Gita.

भगवद् गीता के अनुसार धर्म और अधर्म के संदर्भ में नेता की भूमिका को परिभाषित कीजिए।

(*c*) Concepts of Karma, Vikarma and Akarma.

कर्म, विकर्म और अकर्म की अवधारणाएँ।

2. "Leadership excellence is achieved through inner transformation." Discuss with reference to reducing Tamas, balancing Rajas and increasing Sattva. 10

''नेतृत्व में उत्कृष्टता आंतरिक परिवर्तन के माध्यम से प्राप्त होती है।'' तमस को कम करने, रजस को संतुलित करने और सत्त्व को बढ़ाने के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए।

3. Critically examine the relevance of Yajna, Dana and Tapas in contemporary leadership. 10

आधुनिक नेतृत्व में यज्ञ, दान और तप की प्रासंगिकता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. Discuss how *Ratan Tata's* approach to business reflects the spirit of *Dana* and *Yajna*. 10

चर्चा कीजिए कि रतन टाटा के व्यावसायिक दृष्टिकोण में *दान* और *यज्ञ* की भावना कैसे दिखाई देती है।